

22. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एण्ड रिसर्च में प्रवेश परीक्षा (INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE EDUCATION & RESEARCH) (IISER)

मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की मूल अभिधारणा एवं उद्देश्य के साथ भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2006 में 5 उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। बेंगलूर स्थित विश्व प्रसिद्ध इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc Bangalore) की तर्ज में स्थापित यह सात संस्थान पूर्णरूपेण मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण एवं अनुसंधान को समर्पित हैं। यह सात संस्थान कोलकाता, पूना, मोहाली (चंडीगढ़), भोपाल, तिरुपति, बेरहमपुर एवं तिरुअनंतपुरम में स्थापित किये गये।

प्रवेश प्रक्रिया :- इन संस्थानों में संचालित इंटीग्रेटेड BS-MS (बैचलर ऑफ साइंस एवं मास्टर ऑफ साइंस का 5 वर्षीय) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश की प्रक्रिया निम्नानुसार 3 तरीकों से पूर्ण की जाती है:-

1. **किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) के माध्यम से :-**

इसमें उन आवेदकों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जिन्होंने भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के माध्यम से एवं IISc Bangalore द्वारा आयोजित किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना के किसी भी अंग में सफलता पायी हो जैसे (a) कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान के विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SA परीक्षा अथवा (b) कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SX परीक्षा अथवा (c) प्रथम वर्ष B.Sc. में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आयोजित SB परीक्षाओं में से किसी एक से सफल विद्यार्थी इन संस्थानों में प्रवेश हेतु पात्र है। वर्तमान में किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) बंद हो जाने के कारण भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के INPIRE योजनान्तर्गत (Scholarship for Higher Education) प्रावीण्यता के आधार पर चुने गये छात्र पात्ररत हैं।

2. **जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा के माध्यम से :-**

इस चैनल के द्वारा उन विद्यार्थियों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जो जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा में सफल होकर इन संस्थानों में बेसिक साइंस में अध्ययन के इच्छुक हैं।

IISER Aptitude Test:- यह एक विशेष परीक्षा है जो IISER स्वयं आयोजित करता है। इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिये 12 वी कक्षा गणित या जीवविज्ञान समूह से कम से कम 75 प्रतिशत अंक (आरक्षित वर्ग के लिए 65 प्रतिशत) से उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है। यह परीक्षा ऑनलाईन आयोजित होता है। प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी माध्यम से होते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घंटा तथा कुल अंक 240 होता है। इस परीक्षा में 5 भाग होते हैं, जिनमें प्रथम खण्ड (सामान्य वैज्ञानिक समझ) सभी के लिए अनिवार्य होता है। खण्ड 02 से 05 तक भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीवविज्ञान के प्रश्नों अलग-अलग खण्ड होते हैं। आवेदक को इन 04 खण्डों में से किन्हीं 03 खण्ड के उत्तर देने होते हैं। प्रत्येक खण्ड में 04-04 अंक के 15-15 प्रश्न होते हैं। प्रश्नों कि एक से सही उत्तर हो सकते हैं जिसमें सत्यता के पैमाने के आधार पर अधिभार देते हुए मार्किंग की जाती है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिया जाता है। परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र IISER के वेबसाइट www.iiser.ac.in पर उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ :- आवेदकों की सलाह दी जाती है कि प्रतिवर्ष इन संस्थानों में प्रवेश हेतु तिथियों की जानकारी IISER की वेबसाइट www.IISER.admission.in से प्राप्त कर लें।

क्रं.	विवरण	(KVPY) के चैनल द्वारा	I.T.I. JEE (Advance) चैनल से	IISER Aptitude Test
1.	ऑनलाईन आवेदन तिथि	जून प्रथम सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह
2.	काउन्सिलिंग/एप्टीट्यूड टेस्ट	जुलाई माह	जुलाई माह	जुलाई

IISER में अध्ययनरत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति :

इन संस्थानों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र हेतु छात्रवृत्ति का प्रावधान है जो उन्हें INSPIRE योजना के (Scholar ship for Higher Education) अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है या KVPY योजना के अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है। यह छात्रवृत्ति 5000 प्रतिमाह की शिष्यवृत्ति एवं 20000 रु. के समर कोर्स फीस सहित कुल 80000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से दी जाती है। जो सम्पूर्ण 5 वर्ष के BS-MS कोर्स हेतु दी जाती है।

IISER में सीटों की संख्या :-

IISER की कुल 7 संस्थानों के अन्तर्गत वर्तमान में लगभग 1900 सीटें BS-MS कोर्स हेतु उपलब्ध है।

National Institute of Science Education & Research में प्रवेश :-

उपर्युक्त वर्णित IISER के अलावा मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन हेतु अन्य अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एवं रिसर्च है। यह संस्थान भुवनेश्वर में स्थित है। इसके अतिरिक्त मुम्बई विश्वविद्यालय में स्थित भारतीय परमाणु उर्जा आयोग की सहायता से स्थापित सेन्टर ऑफ इक्सीलेंस फॉर बेसिक साइंस भी इसी NISER के साथ इसी श्रेणी में रखे जा सकते हैं। जहां IISER के 7 संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन आते हैं वही NISER के उपर्युक्त दोनों संस्थान परमाणु उर्जा विभाग के अन्तर्गत संचालित हैं।

NISER में प्रवेश की प्रक्रिया :- NISER में प्रवेश हेतु एक प्रवेश परीक्षा NEST (National Entrance Screening Test) के माध्यम से की जाती है। इस परीक्षा में 5 भाग होते हैं जिनमें प्रथम खंड समस्त आवेदकों के लिए अनिवार्य होता है जिसमें सामान्य वैज्ञानिक समझ (General Science Awareness & Abitude) की जांच करने संबंधी प्रश्न होते हैं। खंड 2 से 5 तक भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीव विज्ञान के प्रश्नों के अलग-अलग खंड होते हैं। आवेदक को इन चार खंडों में से किसी तीन खंड के उत्तर देने होते हैं। प्रश्नों कि एक से सही उत्तर हो सकते हैं जिसमें सत्यता के पैमाने के आधार पर अधिभार देते हुए मार्किंग की जाती है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिया जाता है। यह परीक्षा 200 अंकों की होती है तथा इसकी अवधि 03 घंटा 30 मिनट होती है। इस परीक्षा के विगत वर्षों के प्रश्न पत्र एवं मॉडल प्रश्न पत्र संस्थान के वेबसाइट www.nestexam.in पर देखे जा सकते हैं।

NEST हेतु पात्रता :- इस प्रवेश परीक्षा हेतु बारहवीं विज्ञान में 60% अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा वर्ग हेतु यह प्रतिशत 55% निर्धारित है। आवेदक 12 वी पास करने के वर्ष या उसके 02 साल बाद तक ही इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

इस प्रवेश परीक्षा में आयुसीमा अधिकतम 20 वर्ष है जबकि अजा/अजजा हेतु 5 वर्ष की छूट उपलब्ध है।

NISER में सीटों की संख्या :- NISER के भुवनेश्वर सेंटर में 200 सीटें उपलब्ध हैं। जबकि मुंबई विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस विभाग में 57 सीट इंटीग्रेटेड डैब कोर्स हेतु उपलब्ध हैं।

कब आवेदन करें :- इस प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन फरवरी-मार्च सामान्यतः निर्धारित होती है जबकि इसकी प्रवेश परीक्षा मई की अंतिम सप्ताह में आयोजित होती है।

प्रवेश परीक्षा के सेंटर :- रायपुर सहित देश के 45 सेंटर निर्धारित हैं।

संपर्क :- इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nestexam.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मस्तिष्क की शक्तियाँ सूर्य की किरणों के समान होती हैं, जब वो केन्द्रित होती हैं तो चमक उठती हैं।

The powers of the mind are like the rays of the sun when they are concentrated they illumine.

- स्वामी विवेकानंद